गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा, बूंदी, राजस्थान के तत्वावधान में एमपीलैड कोष से निर्मित भवन के उद्घाटन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

महर्षि गौतम शिक्षण संस्थान, बूंदी, राजस्थान में गौतम छात्रावास के छात्रों के उपयोग हेतु निर्मित भवन के उद्घाटन के अवसर पर आज यहाँ आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं यह बताना चाहता हूँ कि एमपीलैड योजना के तहत यह मेरी एक छोटी सी पहल है। हम सभी जानते हैं कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बहुत से छात्र सामान्यतः बेहतर शैक्षिक सुविधाओं के लिए शहर आते हैं। किन्तु, शहरों में सस्ते छात्रावास न होने के कारण उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण, उनमें से बहुत से छात्र अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते हैं। मुझे उम्मीद है कि इस तरह की पहल से उन्हें काफी फायदा होगा।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा, बूंदी ने सरकारी सहायता या सामाजिक दान की मदद से विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, इनडोर खेलों के लिए खेल के मैदान और बुनियादी सुविधाओं का निर्माण करने के लिए वर्ष 1993 में गौतम छात्रावास की एक समिति गठित की थी। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के ऐसे छात्रों को ये सुविधाएं प्रदान कर रही है जो शिक्षा प्राप्त करने या प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आते हैं, लेकिन इस संबंध में होने वाले खर्च को वहन करने में असमर्थ होते हैं। मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा अन्य जिलों में भी इस तरह की सेवाएं प्रदान कर रही है। इस महासभा ने तलेदा में गौतम आश्रम वेद विद्यालय में छात्रावास की सुविधा प्रदान करने और बूंदी के बंसी एवं गोठेड़ा में भी छात्रावास का निर्माण करने जैसी कुछ सराहनीय पहल की हैं। आप सभी को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि भविष्य में एक वैदिक अनुसंधान केंद्र की स्थापना भी की जाएगी, ताकि हिन्दू संस्कृति की सर्वोत्तम प्रथाओं और परम्पराओं का प्रचार प्रसार और संरक्षण किया जा सके। इसके अलावा यह महासभा कमजोर वर्गों की युवा पीढ़ी का विवाह कराने संबंधी सेवाएं भी प्रदान करती है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान महासभा ने समाज को अनेक सराहनीय सेवाएं दी हैं। इस संस्था द्वारा निराश्रित एवं जरूरतमंद वृद्ध व्यक्तियों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने जैसे प्रशंसनीय कार्य किए गए हैं।

साथियो, मनुष्य के जीवन में शिक्षा के मूल्य और महत्व से हम सभी परिचित हैं। शिक्षा व्यक्ति का पूर्ण विकास करने में सहायक होती है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने शिक्षा के समग्र प्रभाव पर जोर देते हुए कहा था

कि **"शिक्षा से मेरा आशय एक ऐसी प्रक्रिया से है जिसका उद्देश्य बच्चों और वयस्कों के शरीर, मन एवं आत्मा में विद्यमान सर्वश्रेष्ठ संभावनाओं और क्षमताओं का सम्पूर्ण विकास करना है"।** पिछड़े लोगों के लिए शिक्षा एक ऐसा साधन है, जिसके माध्यम से वे समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सकते हैं। लोकतंत्र में हमें यह देखना होता है कि समाज का कौन सा वर्ग विकास की दौड़ में पिछड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करके उनका भविष्य संवारा जा सकता है।

संसद, राज्य विधान मंडलों और स्थानीय ग्रामीण और शहरी निकायों के माध्यम से जन प्रतिनिधि के रूप में हमारी लोगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हम लोगों की इच्छाओं और आकांक्षाओं, उनकी जरूरतों और मांगों को सरकार के ध्यान में लाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकार उस पर कार्रवाई करे। साथ ही, इस पूरी प्रक्रिया में हम जवाबदेही भी सुनिश्चित करते हैं।

23 दिसंबर 1993 को तत्कालीन प्रधान मंत्री ने संसद में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड्स) की घोषणा की थी, जिसके तहत विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों में शिक्षा के साथ-साथ स्कूल कि इमारतों, लाइब्रेरियों का निर्माण, ट्यूब वैल खुदवाकर पेयजल की व्यवस्था, संपर्क मार्गों, छोटे पुलों, खेल स्टेडियमों, सामुदायिक केन्द्रों, शवदाह-गृहों और उनकी चारदीवारी, सार्वजनिक शौचालयों, नालियों, फुटपाथ, बस स्टॉप, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की व्यवस्था, आदि जैसे विभिन्न विकास कार्यकलापों के लिए इस कोष से धनराशि खर्च कर सकते हैं।

एमपीलैड कार्यक्रम दो दशक से भी अधिक पुराना है। प्रारंभ में सांसदों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में, इसे बढ़ाया गया है और वर्तमान में, यह राशि प्रति वर्ष 5 करोड़ रुपये है।

हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं कि उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में आने वाले छात्रों के लिए आवास एक प्राथमिक और तात्कालिक समस्या होती है। लोक सभा के सदस्य के रूप में, मैं इस समस्या को बखूबी समझता था। मुझे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लड़कों के लिए बूंदी में छात्रावास की आवश्यकता के संबंध में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा से अनुरोध प्राप्त होते थे। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए मेरी एमपीलैड निधि से इस छात्रावास का निर्माण किया गया है। सांस्कृतिक कार्यकलापों का आयोजन करने के

अलावा इस छात्रावास से अन्य सुविधाएं भी प्राप्त होंगी। मुझे आशा है कि इस छात्रावास से छात्रों को अपना भविष्य बनाने में निश्चित रूप से सहायता मिलेगी।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं गौतम छात्रावास के इस भवन का उद्घाटन करता हूँ और इसे सभी विद्यार्थियों को समर्पित करता हूं। बूंदी में गौतम छात्रावास के इस भवन का उद्घाटन करने का अवसर देने के लिए मैं गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा का धन्यवाद करता हूं।

बहुत बहुत धन्यवाद।